



Hargharpanditji

॥ नवरात्रि के मंत्र और स्तुति ॥
जय माता दी!

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ नवरात्रि के मंत्र और स्तुति ॥

नवरात्रि के नौ दिनों में मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की पूजा के साथ देवी मंत्र, स्तुति, दुर्गा चालीसा और दुर्गा सप्तशती का पाठ करने की परंपरा है। मंत्र-जाप श्रद्धा और एकाग्रता के साथ करने से मन को शांति और सकारात्मकता प्राप्त होने की भावना जुड़ी है।

1. मां दुर्गा का मुख्य मंत्र

ॐ दुं दुर्गायै नमः॥

यह मां दुर्गा को समर्पित सरल मंत्र है। नवरात्रि में इसका श्रद्धापूर्वक जाप किया जा सकता है।

2. नवर्ण मंत्र

ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे॥

यह देवी उपासना में प्रसिद्ध मंत्र है। इसका जाप परंपरा एवं श्रद्धा के अनुसार किया जाता है।

3. देवी गायत्री मंत्र

ॐ कात्यायनाय विद्महे
कन्याकुमारि धीमहि।
तन्नो दुर्गिः प्रचोदयात्॥

यह देवी के कात्यायनी/दुर्गा स्वरूप की उपासना से जुड़ा गायत्री मंत्र है।

4. सर्वमंगल मांगल्ये

सर्वमङ्गलमाङ्गल्ये
शिवे सर्वार्थसाधिके।
शरण्ये त्र्यम्बके गौरि
नारायणि नमोऽस्तु ते॥

अर्थ: हे देवी! आप सभी मंगलों में श्रेष्ठ, कल्याणकारी और सभी उद्देश्यों को पूर्ण करने वाली हैं। हे गौरी, हम आपकी शरण में हैं। आपको नमन है।

5. देवी स्तुति

या देवी सर्वभूतेषु
शक्तिरूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै
नमस्तस्यै नमो नमः॥

अर्थ: जो देवी सभी प्राणियों में शक्ति के रूप में विद्यमान हैं, उन्हें बार-बार नमन है।

इसी प्रकार देवी के अन्य स्वरूपों के लिए भी यह स्तुति पढ़ी जाती है:

या देवी सर्वभूतेषु
मातृरूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै
नमस्तस्यै नमो नमः॥

6. नवरात्रि में नवदुर्गा के नाम

नौ दिनों में देवी के नौ स्वरूपों का स्मरण किया जा सकता है:
शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी,
कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री।
प्रत्येक दिन संबंधित देवी का नाम लेकर उनका ध्यान, पूजा और स्तुति करना नवरात्रि साधना का महत्वपूर्ण भाग माना जाता है।